गुरु ज्ञान बिन मिले नहीं | By Ramesh Chaudhary |

गली में बिखरे मोती हैं, ये अनमोल के
गुरु ज्ञान बिन मिले नहीं, चाहे ढूंढो डोल के।

कस्तूरी मृग की नाभि में,
वो ढूंढे बन बन में,
तेरा ईश्वर तुझ में बंदे,
मिल जाए एक क्षण में।
मगर गुरु के वचन मन,
चल तोल तोल के,
गुरु ज्ञान बिन मिले नहीं,
चाहे ढूंढो डोल के।

पाप कर्म भी होते हमसे,
आख़िर है इंसान,
ज्ञानदीप से करे रोशनी,
गुरुवर दया निधान।
सत्य वचन जीवन में,
देख ले बोल बोल के,
गुरु ज्ञान बिन मिले नहीं,
चाहे ढूंढो डोल के।

मुक्ति तब ही मिलती जब,
गुरुदेव दिखावे रास्ता,
मदन रिजहले गुरुदेव को,
सौदा है ये सस्ता।
गुरुदेव जो मंत्र बतावे,
पी जा घोल के,
गुरु ज्ञान बिन मिले नहीं,
चाहे ढूंढो डोल के।

गली में बिखरे मोती हैं, ये अनमोल के
गुरु ज्ञान बिन मिले नहीं, चाहे ढूंढो डोल के।

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%97%e0%a5%81%e0%a4%b0%e0%a5%81-%e0%a4%9c%e0%a5%8d%e0%a4%9e%e0%a4%be%e0%a4%a8-%e0%a4%ac%e0%a4%bf%e0%a4%a8-%e0%a4%ae%e0%a4%bf%e0%a4%b2%e0%a5%87-%e0%a4%a8%e0%a4%b9%e0%a5%80%e0%a4%82-by-ramesh-cha/